लकड़ी बेचकर घर का चूल्हा जलाने को मजबूर आदिवासी महिलाएं

पन्ना, देशबन्धु। पन्ना जिले के आदिवासी बहुल कल्दा के गरीब आदिवासियों को शान द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है मुक्ति योजनाएं सिर्फ कागजों पर संचालित हो रही है पूर्व में अजीब का मिशन के माध्यम से आदिवासियों के लिए मशरूम की खेती की गई थी जो जिला पंचायत के माध्यम से अजीब का मिशन के तहत संचालित हुई थी मुक्ति योजना में करोड़ों रुपए खर्च किए गए लेकिन वास्तविक आदिवासी वर्ग को लाभ नहीं हुआ तथा वह योजना तत्कालीन सीईओ के जाते ही बंद हो गई।

इसके बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संघ प्रिया द्वारा मुर्गी पालन योजना लागू की गई उक्त योजना भी कागजों में ही चल रही है तथा करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं लेकिन इसका लाभ गरीब आदिवासियों को नहीं मिल रहा है रोजगार उपलब्ध नहीं होने के कारण मजदूर वर्ग खासा परेशान हैं हालात ऐसे हैं गांवों में आधी से अधिक आबादी पलायन कर बड़े शहरों और महानगरों में मजदूरी कर रहे हैं सबसे खराब हालत वनांचल क्षेत्र के मजदूरों का है वड़ी संख्या दो वक्त की रोटी कमाने के लिए पलायन कर गए

जहा एक और लोग रोजगार की तलाश में पलायन कर गए वहीं गांवों में रहे सहे परिवारों की सैकड़ो महिलाएं 10 से 15 किलोमीटर दूर पैदल चलकर जलाऊ लकड़ी बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही हैं दिनभर भर में यह महिलाएं 150,से 200 रूपए कमा पाती है जो आज की मंहगाई के हिसाब से कुछ नहीं है लेकिन क्या करें मजबूरी है पंचायत स्तर में रोजगार उपलब्ध नहीं है ब'चों के पालने का एकमात्र जरिया है जंगलों में रहने वाली आदिवासी महिलाओं को अक्सर अपनी आजीविका के लिए लकड़ी बेचनी पड़ती है, क्योंकि उनके पास आजीविका के अन्य साधन कम होते हैं। यह समस्या विशेष रूप से उन क्षेत्रों में अधिक है जहां गरीबी और बेरोजगारी व्याप्त है जंगलों में रहने वाली आदिवासी महिलाओं को लकड़ी बेचने की मजबूरी के कारण है बेरोजगारी आदिवासी क्षेत्रों में गरीबी और बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है, जिसके कारण महिलाओं को अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए लकड़ी बेचनी पड़ती है।

आदिवासी महिलाओं के पास आजीविका के सीमित अवसर होते हैं, और लकड़ी बेचना उनके लिए मजबूरी है आदिवासी समुदाय अक्सर जंगलों पर निर्भर होते हैं, आदिवासी महिलाओं को अक्सर सामाजिक-आर्थिक असमानता का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण उन्हें लकड़ी बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

महिलाओं ने मांगा रोजगार

भितरी मुटमूर गांव की आदिवासी महिलाओं ने बताया कि वह हर दिन एक टाइम जलाऊं लकड़ी काटती है दूसरे दिन सलेहा 15 किलोमीटर दूर बेचने जाती है जो रूपये मिलते है उससे परिवार का भरण पोषण करती है पंचायत एवं वन विभाग द्वारा हमें कोई रोजगार नहीं मिलता हमें ग्राम पंचायत द्वारा अवास भी नहीं मिले जिससे हम लोग आज भी वहीं क'चे मकान तथा झोपड़िया में रह रहे हैं हमारे आवास भी चूता है घर में पन्नी छवि है क्या करें आदिवासी महिलाओं को लकड़ी बेचने के लिए मजबूर होना एक जटिल समस्या है, जिसका समाधान गरीबी, बेरोजगारी है।

इस समास्या का समाधान सामाजिक-आर्थिक असमानता को दूर करके ही किया जा सकता है। सरकार और गैर सरकारी संगठनों को इन महिलाओं के लिए आजीविका के वैकल्पिक अवसर प्रदान करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने की दिशा में काम करना चाहिए आज भी आदिवासियों को वह पहचान नहीं मिल सकी जिसका की वह हकदार हैं

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण में 1200 प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न विधाओं का लिया प्रशिक्षण

शहडोल,देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण भोपाल के निर्देशानुसार शहडोल जिले में आयोजित निःशुल्क ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले प्रशिक्षणार्थियों को ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर वर्ष 2025 का समापन समारोह कार्यक्रम में कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा प्रमाण पत्र, ट्रेकशूट, शू? एवं प्रशिक्षकों को शासन के निर्देशानुसार 5 हजार एवं 2 हजार रूपये का चेक प्रदान किया गया।

शहडोल संभागीय मुख्यालय व विकासखण्ड मुख्यालय में 12 मई से 12 जून 2025 तक आयोजित किया गया। संभागीय मुख्यालय में 15 खेल- एथलेटिक्स, हैण्डवाल, वालीवाल, कबड्डी, बैडमिन्टन, टेबल टेनिस, कराते, जुडो, बाक्सिंग, ताईक्वांडों, लाठी, फुटवाल, खो-खो सेपराटेकरा, बास्केटवाल, का प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। प्रत्येक विकासखण्ड मुख्यालय में प्रचालित 2 खेलो का प्रशिक्षण शिविर लगाया गया, जिसमें खिलाडियों का ऑनलाईन पंजीयन 985 एवं आफलाईन पंजीयन मिलाकर कुल 1200 खिलाडियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण के दौरान खिलाडियों में आपसी स्पर्धा कराई गयी। जिसमें प्रतिभावान खिलाडियों का चयन कर प्रदेश में संचालित खेल अकादमियों के द्वारा टैलेन्ट सर्च में सम्मिलित कराया गया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अरविंद शाह, सहायक संचालक खेल एवं फुटबॉल कोच श्री रईस अहमद, प्रशिक्षक श्री अजय सोधिया, कमलकांत साहू, दयानंद सोंधिया, रतन ठाकुर, नरेष कुंडे सहित अन्य खेल प्रषिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित थे।

सार-समाचार

एनटीपीसी विंध्याचल कलिंग ऊर्जा एक्सीलेंस राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

सिंगरौली, देशबन्धु। एनटीपीसी-विंध्याचल को ऊर्जा संरक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए प्रतिष्ठित कलिंग ऊर्जा एक्सीलेंस राष्ट्रीय पुरस्कार (फाइव स्टार श्रेणी) से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन (ईईसीसी)-2025 के दौरान प्रदान किया गया, जो पर्यावरण, ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित था। यह आयोजन होटल न्यू मेरियन, भुवनेश्वर में संपन्न हुआ, जिसका संयुक्त रूप से प्रायोजन ओडिशा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (ओडिशा सरकार), ओडिशा स्टेट प्रोडक्टिव काउंसिल एवं इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इटरप्राइज, हैदराबाद द्वारा किया गया।

यह पुरस्कार श्री राजशेखर पाला, महाप्रबंधक (प्रचालन), एनटीपीसी-विंध्याचल की ओर से प्राप्त किया गया। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें प्रो. जॉयस काकुरामात्सी किकाफुंडा (उगांडा की उच्चायुक्त), श्रीमती उमा नंदुरी, आईएफएस एवं सदस्य सचिव (राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) तथा श्री अशोक कुमार त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त) एवं अध्यक्ष (ओडिशा स्टेट प्रोडक्टिव काउंसिल) प्रमुख हैं। यह सम्मान एनटीपीसी-विंध्याचल की सतत संचालन, ऊर्जा दक्षता तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व में नेतृत्व की पुनः पुष्टि करता है।

समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की

शहडोल, देशबन्धु। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभागवार सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को संतुष्टि के साथ निराकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण हेतु मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपे तथा जिला प्रमुख अधिकारी शिकायतो के निराकरण की स्थिति की मॉनीटरिंग करें। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय-सीमा में दी जाने वाली सेवाओं का निराकरण समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से कर लिया जाए। इसी तरह ई-केवायसी के कार्य में प्रगति लाने तथा सीईओ जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दैनिक लक्ष्य बनाकर ई-केवायसी करने के निर्देश दिए गए। आपने कहा कि जिन लोगों की एक से अधिक ई-केवायसी बनी है, उन्हें डिलीट करने का कार्य भी किया जाए। जिन स्थानों में आधार कार्ड से संबंधित समस्याएं आ रही हैं वहां आधार कार्ड बनवाने तथा सुधार करने से संबंधित शिविरों का आयोजन किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्री अरविंद शाह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतपुर श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, श्रीमती ज्योति परस्ते सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पानी की बूंद-बूंद सहेजने का जो प्रयत्न किया वह होगा वरदान साबित : विधायक

शहडोल, देशबन्धु। विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी की उपस्थिति में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह आज जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत बलभद्रपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए विधायक ने कहा कि जिले के नगर-नगर और गांव-गांव में जल स्त्रोतों को शुद्ध और उपयोगी बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिससे अनेक पोखर और बावड़ियों को पुनर्जीवन प्राप्त हुआ है। यह सरकार और समाज का संयुक्त प्रयास है। विश्वास है कि पानी की बूंद-बूंद सहेजने का जो प्रयत्न किया गया है वह सभी के लिए वरदान साबित होगा। सूखे खेत हरे-भरे होंगे, सुनहरी फसलें लहलहायेंगी। हमारा किसान समृद्ध होगा और मध्यप्रदेश की धरती समृद्ध होगी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक श्री सचिन सेठिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बुढार श्री राजीव लघाते, ग्राम पंचायत बलभद्रपुर के सरपंच श्री रामनिवास सिंह परस्ते सहित नवीन खेत तालाब के हितग्राही, जलदूत व अन्य लोग उपस्थित थें।

एनटीपीसी-विंध्याचल ने सात कर्मचारियों की सेवानिवृति पर दी विदाई

सिंगरौली, देशबन्धु। एनटीपीसी-विंध्याचल परियोजना में सोमवार 30 जून को अपनी दीर्घ सेवा देने के पश्चात कुल सात कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी डॉ. बीमेश चंद्र चतुर्वेदी, मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा), सुशील, उपप्रबंधक (फ्यूल हैंडिलिंग), प्रवीण सिंह, सहायक प्रबन्धक(सीएंडआई मेंटीनेंस), कैलाश प्रसाद, सहायक प्रबन्धक (ईएमडी), शेख मकसूद, अभियंता/ एसएलपीएस (प्रचालन), अब्दुल सलीम, अभियंता/ एसएलपीएस (प्रचालन) एवं सिल्वेस्तर तिर्की, अभियंता/ एसएलपीएस (फ्यूल हैंडिलिंग) को एनटीपीसी विंध्याचल ने गरिमामयी विदाई दी।

एनटीपीसी-विंध्याचल प्रबंधन ने सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों का सम्मान परियोजना के उमंग भवन के सभागार में किया। स्वागत की कड़ी में महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) संजीब कुमार साहा ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का पुष्पमाला से स्वागत किया, साथ ही परियोजना की यूनियन/ एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी पुष्पमाला पहनाकर अतिथि कर्मचारियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) संजीब कुमार साहा ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि एनटीपीसी-विंध्याचल को वर्तमान ऊंचाइयों तक पहुंचाने में आपके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा और एनटीपीसी-विंध्याचल सदा ही आपकी सेवा के लिए आपका कृतज्ञ रहेगा, साथ ही जीवन की नई पारी की नए सिरे से शुरुआत करने हेतु शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसी कड़ी मे विभागाध्यक्षों ने भी सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधिगण, संबंधित विभागों के कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे।

विधायक ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

शहडोल,देशबन्धु। जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत काठौतिया में पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भी अपने जीवन की सबसे प्रिय मां के सम्मान में एक पौधा अवश्य लगाएं और उसका संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभियान न केवल पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में सहायक हैं, बल्कि समाज में भावनात्मक जु?ाव भी पैदा करते हैं।

जल संरक्षण और पौधरोपण से ही होगी पर्यावरण की सुरक्षा : विधायक

शहडोल,देशबन्धु। जिले में जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत नरवार में जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे ब?ी आवश्यकता है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में जल संरक्षण के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जल संरक्षण के सार्थक प्रयास किए गए। जिले में भी खेत तालाब निर्माण, अमृत सरोवर निर्माण तथा हैण्डपंप एवं कुंओं में रिचार्ज पिट, बावडियों का जीर्णोद्धार, पुराने जल स्त्रोतो, तालाबो, नदी के घाटो की साफ-सफाई का कार्य किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन जनप्रतिनिधियो, शासन प्रशासन, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं तथा आम जन के सहयोग से संचालित होने से जन अभियान बन गया। सभी के सहयोग से वर्षाजल को सहेजने का प्रयास किया गया है।

जल संरक्षण के साथ-साथ हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर वृक्षारोपण में भी योगदान दे। जल संरक्षण और वृक्षारोपण से ही पर्यावरण की सुरक्षा होगी। समापन कार्यक्रम में खण्डवा में आयोजित राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान समापन समारोह में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संदेश का वाचन एवं मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन एवं अन्य कार्यक्रमों का सजीव प्रसारण दिखाया गया। गांव की महिलाओ द्वारा जल कलश यात्रा निकालकर जल संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने नवीन खेत तालाब के हितग्राहियों एवं जलदूतो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह ने जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत के किये गए कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच, जलदूत, खेत तालाब योजना के हितग्राही तथा ब?ी संख्या में ग्रामीण जनों ने भाग लिया। इस अवसर पर एपीओ श्री अनुराग निगम, सहायक यंत्री श्री राघुवेन्द्र सिंह, परियोजना अधिकारी मनरेगा जिला पंचायत अरुणेंद्र द्विवेदी, उपयंत्री श्री अशुतोष शर्मा उपस्थित रहें।

प्रधानमंत्री की मन की बात से विद्यार्थियों को मिलती है प्रेरणाः राज्यपाल

शहडोल,देशबन्धु। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री की मन की बात ज्ञान की बातों का कार्यक्रम है। इसमें ज्ञान और संस्कार की बातें होती है। देश के कोने-कोने में हो रहे प्रेरक कार्यों और प्रसंगों की जानकारी होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की बातों से विद्यार्थियों को नया उत्साह और प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी आदतें ब? बदलाव का कारण बनती है। कार्यक्रम ज्ञान की बातों का खजाना है। इसलिए जरूरी है कि प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम सुनना आदत बनाई जाए। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के सभी छात्र-छात्राओं और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में कक्षा 9 से लेकर 12 वीं तक के सभी विद्यार्थी प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम में शामिल हो। कोई छात्र-छात्रा कार्यक्रम से वंचित नहीं हो।

राज्यपाल श्री पटेल ने यह बात भोपाल में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ चर्चा में कहीं। राज्यपाल एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भोपाल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को बच्चों के साथ सुनने के लिए पहुँचे थे। इस अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल ने विद्यालय के बालिका छात्रावास का निरीक्षण भी किया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मन की बातें गागर में सागर के समान होती है। उसमें अच्छे जीवन के मंत्र होते हैं। उत्कृष्ट कार्यों का बखूबी जिक्र होता है। नवाचार और सफलता के किस्से होते हैं। विभिन्न विषयों की वृहद जानकारियां अल्प अवधि में उपलब्ध हो जाती है, जो हमें जीवन की सही दिशा दिखाती है। अनेक चुनौतियों और समस्याओं के समाधान भी हमें कार्यक्रम में मिल जाते हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में ग्रामीण आजीविका, विकास और जन कल्याणकारी कार्यों का विवरण मिलता है। अत्यंत प्रेरणादायी और मार्गदर्शी विकास की नई पहल और सफलता की कहानियों का पता चलता है। उन्होंने प्रदेश की समस्त पेसा ग्राम सभाओं के पदाधिकारियों से अपील की है कि प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम प्रसारण दिवस पर ग्राम सभाओं का आयोजन करने का प्रयास करें। कार्यक्रम में सहभागिता से ग्राम सभा सदस्यों को ग्राम विकास और कल्याण प्रयासों का दिशा का दर्शन होगा। विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की प्रेरणा मिलेगी।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सार्थक ज्ञान वही है जो संस्कार युक्त हो। उच्च शिक्षित होना पर्याप्त नहीं है। अच्छा जीवन जीना महत्त्वपूर्ण है, जिसमें दायित्व का बोध हो। उन्होंने कहा कि संस्कारित जीवन के लिए बचपन से ही प्रयास किए जाना जरुरी है। उन्होंने आवासीय विद्यालय के शिक्षकों, प्रबंधकों और विद्यार्थियों को मिलकर संकल्प के साथ इस दिशा में प्रयास करने के लिए कहा है।

खांडे नगर परिषद के वार्ड क्रमांक आठ के मतदान में उपयोग की जाने वाली ईवीएम का रेंडमाइजेशन

शहडोल, देशबन्धु। जिले की खां नगर परिषद में रिक्त वार्ड क्रमांक 08 में पार्षद पद के निर्वाचन हेतु उपयोग की जाने वाली ईव्हीएम का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह द्वारा एनआईसी में रेन्डमाईजेशन विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने बताया कि रेन्डमाईजेशन के माध्यम से 05 सेट ईव्हीएम जिसमें व्हीयू एवं सीयू का निर्धारण किया गया है। इस अवसर पर विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि क्रमशः विष्णु प्रताप सिंह, रवीन्द्र वर्मा, राकेश कन्नौजिया, अरफाना शेख, रामनाथ यादव, राजेश चौधरी, राकेश वर्मा, निर्वाचन पर्यवेक्षक संजय खरे, जीके पाण्डेय एवं कार्यालयीन स्टॉफ उपस्थित रहा।

बालाघाट की सुमा दीदी का जिक्र किया पीएम ने

जज़्बा हो तो हमारी माताएं-बहनें बिज़नेस वुमन बन सकती हैं : पीएम

शहडोल, देशबन्धु। जज़्बा हो तो हमारी माताएं-बहनें भी बिज़नेस वुमन बन सकती हैं, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने %मन की बात% में ये बात कहते हुए मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले की एक महिला उद्यमी, सुमा उईके का विशेष रूप से उल्लेख किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बताया कि कटंगी विकासखंड के ग्राम भजियापार की रहने वाली सुमा उईके ने कैसे अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और आजीविका मिशन की मदद से खुद को न सिर्फ आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' में नाम का जक्रि होने के बाद से सुमा उईके के साथ साथ पूरे बालाघाट में उत्साह का माहौल है।

गृहिणी से बनीं सफल उद्यमी-सुमा उईके कभी सिर्फ अपने घर-गृहस्थी के कामों तक सीमित थीं, लेकिन आजीविका मिशन के कर्मियों से मिले मार्गदर्शन से उन्हें स्व-सहायता समूह का महत्व पता चला। इसके बाद उन्होंने आस-पास की महिलाओं को संगठित कर %आदिवासी आजीविका विकास स्व-सहायता समूह% का गठन किया, जिसकी वह अध्यक्ष बनीं। समूह के माध्यम से उन्होंने आर-सेटी (ऋस्श्वञ्जढ्ढ) से ऑर्गेनिक मशरूम उत्पादन और छ्व३ष्ट से पशुपालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ष 2021 में उन्होंने 2000 रुपये की ऋण सहायता से मशरूम उत्पादन की शुरुआत की। हालांकि लॉकडाउन के कारण यह कार्य बाधित हुआ, लेकिन सुमा दीदी ने हार नहीं मानी।

दीदी केंटीन से थर्मल थैरेपी तक, दोगुनी से ज्यादा हुई आय-वर्ष 2022 में उन्हें जनपद पंचायत कटंगी परिसर में %दीदी केंटीन% संचालन का अवसर मिला, जिससे उनकी मासिक आय लगभग 8000 रुपये होने लगी। यहां उन्होंने अपने समूह की ही एक अन्य महिला को भी रोजगार दिलाया। बाद में, थर्मल थैरेपी के क्षेत्र में उन्होंने प्रशिक्षण लेकर नया व्यवसाय प्रारंभ किया। आजीविका मिशन से जुड़ी होने के कारण उन्हें मुद्रा योजना के अंतर्गत बैंक से 6 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने थर्मल थैरेपी सेंटर की स्थापना की इससे उन्हें मासिक 11000 रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त होने लगी और एक अन्य युवती को भी रोजगार मिला।

मशरूम उत्पादन, दीदी केंटीन और थर्मल थैरेपी सेंटर जैसे विभिन्न उपक्रमों से जुड़कर सुमा दीदी की मासिक आय अब 19,000 रुपये तक पहुंच गई है। वहीं, उनके परिवार की कुल मासिक आय लगभग 32,000 रुपये हो गई है। सुमा दीदी आज ग्राम स्तर पर आजीविका मिशन की सशक्त प्रतिनिधि के रूप में काम कर रही हैं और अन्य महिलाओं को समूह से जुड़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'मन की बात' में उनके कार्यों की सराहना किया जाना, न केवल सुमा दीदी के लिए बल्कि पूरे बालाघाट और प्रदेशभर के लिए गौरव की बात है। सुमा उईके अब उन हजारों महिलाओं की प्रतीक बन गई हैं जो सीमित संसाधनों के बावजूद सपने देखती हैं और उन्हें साकार भी करती हैं।

घर में घुसी विशाल गौह का किया रेस्क्यू

पन्ना, देशबन्धु। नगर के धाम मोहल्ला स्थित आकाश कुशवाहा के घर में उसे समय हड़कंप मच गया जब उसके आंगन के बाथरूम में एक विशाल गौह को बैठा हुआ देखा। परिजन घबराकर घर के बाहर निकल आए और मोहल्ले वालों को बताया पर किसी की गौह को भगाने की हिम्मत नहीं पड़ रही थी। तब रेस्क्यू करने वाले नंदू कुशवाहा को इंद्रपुरी कॉलोनी से फोन लगाकर बुलाया गया। नंदू कुशवाहा ने आते ही बाथरूम में से गौह को पकड़ लिया। तब कहीं जाकर परिवार वालों ने राहत की सांस ली। गौह काफी बड़ी थी जो लगभग 2 फुट से भी बड़ी लग रही थी जिसको देखते ही लोगों को भय महसूस हो रहा था। लेकिन रेस्क्यू करने वाले नंदू ने उसे पलक से झपकते ही हाथ से पकड़ लिया और बाद में जंगल ले जाकर उसे सुरक्षित छोड़ दिया गया। जहरीले जीव जंतु सांप आदि का रेस्क्यू करने वाले नंदू कुशवाहा ने बताया कि इस वर्ष अभी तक दर्जनों जहरीले सर्प और अन्य खतरनाक जीवो का रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया है।